आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक समाट

मां कूष्मांडा
चौथा नवरात्री

बर्ष :12 अंक :279 पृष्ठ -4 दिनांक 06 अक्टूबर 2024 दिन रविवार

सीएम योगी का प्रयागराज दौरा, महाकुंभ की वेबसाइट और मोबाइल एप लॉन्चिंग

महाकुंभ के मौके पर सीएम योगी आदित्यनाथ मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के सुझाव भी लेंगे

सीएम योगी आदित्यनाथ का महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर शनिवार को प्रयागराज के दौरे पर रहेंगे. मुख्यमंत्री प्रयागराज में करीब सवा छह घंटे तक रहेंगे, जिसका मिनट टू मिनट कार्यक्रम जारी हो चुका है. वह सुबह 10 बजे प्रयागराज आएंगे. हेलीपैड से संगम नोज जाएंगे इसके बाद संगम दर्शन और गंगा पूजन करेंगेमुख्यमंत्री अक्षय वट, पाताल. पुरी और सरस्वती कूप का दर्शन और स्मार्ट सिटी से हो रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण करेंगे. इसके बाद सीएम योगी बड़े हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन और कॉरिडोर निर्माण का निरीक्षण करेंगे. 10रू45 बजे पर सीएम योगी हनुमान मंदिर से परेड स्थित बैठक स्थल के लिए रवाना होंगे. परेड में सीएम योगी अखाड़ा परिषद के साधु संतों के साथ बैठक करेंगे. यहां पर सीएम योगी महाकुंभ 2025 के प्रबंधन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में तैयार लघु फिल्म भी देखेंगे. सीएम सभी 13 अखाड़ों के एक–एक प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे. खाक चौक, दंडीबाडा, आचार्य बाड़ा और प्रयागवाल के दो–दो प्रतिनिधियों के साथ मुख्यमंत्री संवाद करेंगे.क्या है कार्यक्रम दोपहर 12:05 पर सीएम योगी बैठक स्थल से आई ट्रिपल सी सभागार पहुंचेंगे. यहां पर सीएम योगी महाकुंभ 2025 के कार्यों की अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे. सीएम योगी आदित्यनाथ महाकुंभ 2025 का श्लोगोश जारी करेंगे. सीएम योगी महाकुंभ की वेबसाइट और मोबाइल एप को भी लॉन्च करेंगे.इसके अलावा संस्थाओं को जमीन और सुविधाएं दिए जाने के लिए बनाए गए ऑनलाइन पोर्टल का भी शुभा. रंभ करेंगे. महाकुंभ के प्रबंधन और कार्यों की अब तक की प्रगति का प्रस्तुतीकरण मुख्य सचिव और प्रमुख सचिव द्वारा किया जाएगा. महाकुंभ के मौके पर पुलिस विभाग द्वारा यातायात और सुरक्षा व्यवस्था का प्रजेंटेशन होगा.महाकुंभ के मौके पर सीएम योगी मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों के सुझाव भी लेंगे. दोपहर 1:35 बजे से 2:05 तक का सीएम के लिए आरक्षित रखा गया है. दोपहर 2:05 बजे पर सीएम योगी आई ट्रिपल सी सभागार से निकलकर महर्षि भारद्वाज आश्रम जाएंगे. इसके बाद भारद्वाज आश्रम में निर्माणाधीन कॉरिडोर का निरीक्षण करेंगे.मुख्यमंत्रीनिर्माणाधीन. आईईआरटी सेतु का निरीक्षणकरेंगे. वहीं 2:30 बजे शंकराचार्य आश्रम पहुंचकर स्वामी वासुदेवानंदसरस्वती महाराज जी से भेंट वार्ता करेंगे. सीएम 3:10 बजे लेप्रोसी रोड चौराहा से नैनी रेलवे स्टेशन रोड का निरीक्षण करेंगे. इसके बाद नैनी रेलवे स्टेशन रोड से छिवकी रेलवे स्टेशन रोड का भी निरीक्षण करेंगे.सीएम योगी छिवकी रेलवे स्टेशन रोड से 3.45 बजे आदि वेणी माधव मंदिर अरैल जाएंगे. यहां पर सीएम योगी आदि वेणी माधव मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे और निरीक्षण करेंगे. वह तकरीबन सवा छह घंटे तक प्रयागराज में रहेंगे. शाही स्नान के साथ ही महाकुंभ के प्रमुख स्नान पर्वों की तारीखों का भी औपचारिक तौर पर ऐलान कर सकते हैं. उम्मीद जताई जा रही है कि सीएम योगी साधु संतों की मांग को मंजूर करते हुए पेशवाई और शाही स्नान जैसे शब्दों को बदलकर इसकी जगह कोई नया नाम दे सकते हैं. सीएम योगी शाम सवा चार बजे प्रयागराज से लखनऊ के लिए रवाना होंगे.

यूपी उपचुनावः सपा और कांग्रेस के बीच कैसे होगा सीटों का बंटवारा, डिंपल यादव ने दिया जवाब

उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी एक्शन मोड में है. सपा सांसद डिंपल यादव ने जीत का दावा करते हुए कहा कि लोगों ने मुद्दों के आधार पर परिवर्तन का मन बना लिया है.उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी विधानसभा उपचुनाव की तैयारियों में जुटी हुई है. हमें बहुत अच्छा परिणाम मिलने वाला है. पार्टी के वरिष्ठ नेता तय करेंगे कि किस पार्टी के हिस्से में कौन सी सीट जाएगी. अयोध्या में जनता ने समाजवादी पार्टी जो जिताने का काम किया है. ऐसे में मुझे लगता है कि लोग धर्म को राजनीति से दूर रखते हुए आम मुद्दों पर परिवर्तन चाहते हैं. डिंपल यादव ने लगाए गंभीर आरोप सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बेरोजगारी और महिला सुरक्षा बड़ा मुद्दा है. साथ ही सूबे में कानून अपना इकबाल खो चुका है. समाज के निचले तबकों के लोगों पर अपराध के मामले बढ़ रहे हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश का पूरा शासन और प्रशासन भ्रष्टाचार में लिप्त है. जो इस सरकार के खिलाफ आवाज उठाता है, उसे जेल का रास्ता दिखाया जाता है.सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा,ष्मैं समझती हूं कि बीजेपी सरकार को आरक्षण, बेरोजगारी और नौकरियों की बात करनी चाहिए. दस साल बीजेपी को सरकार में आए हो गए, लेकिन युवाओं को नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं. हम जातिगत जनगणना की जो बात करते आ रहे हैं. मैं समझती हूं उनको मुहर लगाने का कम करना चाहिए.ष्अयोध्या में बीजेपी को हार की टीस दूसरी तरफ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने एक कार्यक्रम में कहा है कि लोकसभा चुनाव में अयोध्या की हार की टीस मुझे भी है. मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में टिकट चाहे जिसे मिले, लेकिन जीत बीजेपी की होगी. उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्या ने कहा, ष्सपा इन दिनों मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रही है. जब आंख खुलेगी, तो हकीकत कुछ ओर दिखेगा.

सपा इस प्रदेश के लिए खतरा बन चुकी है. ऐसे में मैं जनता से इसे समाप्तवादी पार्टी बनाने की अपील करता हूं.ष्इस सीटों पर होगा उपचुनावआपको बता दें कि गाजियाबाद, खैर, मीरापुर, कुंदरकी, करहल, कटेहरी, मिल्कीपुर, सीसामऊ, मझवां और फूलपुर सीट पर उपचुनाव होने हैं. इनमें से नौ सीटें विधायकों के सांसद बनने से खाली हुई हैं. एक सीट सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा मिलने के कारण खाली हुई है.

कानपुर में कथित तौर पर मुस्लिम युवक की पिटाई, VHP और बजरंग दल के लोगों ने पीटा

उत्तर प्रदेश में नवरात्र की धूम है. नवरात्र उत्सव के दौरान कानपुर शहर के स्वरूप नगर के लाजपत भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, इस कार्यक्रम में कुछ लोगों के जरिए एक अज्ञात मुस्लिम युवक की कथित तौर पर पिटाई का मामला सामने आया है. अब इस मामले में पुलिस एफआईआर दर्ज की है.पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. बताया जा रहा है कि यह घटना शुक्रवार (4 अक्टूबर) रात को स्वरूप नगर के लाजपत भवन में हुई. इस संबंध में सोशल मीडिया पर एक कथित वीडियो भी जारी किया गया है. फिलहाल पुलिस ने इस मामले पर संज्ञान लिया है और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया है.पुलिस ने दर्ज किया अज्ञात पर थ्त कानपुर पुलिस उपायुक्त (मध्य) दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि मोतीझील पुलिस चौकी के प्रभारी रवि कुमार ने लाजपत भवन में आयोजित कार्यक्रम में अज्ञात युवक पर हमला करने के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है.डीसीपी दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि जिन लोगों की पिटाई की गई उनकी पहचान स्थापित करने और उन्हें बयान दर्ज करने के लिए बुलाने के निर्देश जारी किए गए हैं. हालांकि इस मामले में दावा किया जा रहा है कि युवक की पिटाई विश्व हिंदु परिषद और बजरंग दल के लोगों द्वारा की गई है.वीएचपी नेता का विवादित बयानकानपुर उत्तर से विश्व हिन्दू परिषद के जिला सचिव युवराज द्विवेदी ने एक बयान जारी कर दावा किया कि शहर में चल रहे नवरात्र उत्सव के दौरान शगरबाश और श्डांडियाश

स्थलों पर जांच की जा रही हैं, जिससे दूसरे धर्मों के लोगों को नवरात्र समारोह में भाग लेने से रोका जा सके.इस दौरान विश्व हिन्दू परिषद के नेता युवराज द्विवेदी ने दावा किया कि चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई युवा कार्यक्रम स्थल पर देखे गए हैं, ऐसे में उन्हें जबरन कार्यक्रम में प्रवेश करने से रोका गया.

मैं देवी हूं... ये बोल ससुराल वालों को नचाती थी, पति से पैर छुआती थी बिंदूय रवि ने खोले चौंकाने वाले राज

गोरखपुर के गोरखनाथ इलाके में मासूम बेटी और भतीजी की हत्या की आरोपी बिंदू ससुराल के सभी लोगों को कठपुतली की तरह नचाती थी। पति से बोलती थी कि उसके ऊपर देवी सवार हैं, उसका पैर छूकर आशीर्वाद ले। चेहरा और बड़ी–बड़ी आंखें देखकर पति को ये सब करना पड़ता था। शुक्रवार की देर रात बिंदू का पति रवि चौहान हैदराबाद से घर पहुंचा। बेटी की मौत और पत्नी की करतूत से दुखी रवि ने कई चौंका देने वाली बातें बताईं।रवि ने बताया–वर्ष 2018 में उसकी शादी हुई थी। एक साल बाद नैना का जन्म हुआ था। एक माह बाद ही बच्ची को लेकर बिंदू कहीं गई थी। करीब तीन घंटे बाद वह घर वापस आई।उसके बाल खुले थे, आंखे लाल थीं, वह घर के मंदिर के पास बच्ची को लेकर बैठी थी। मैं जब उसके सामने गया तो उसने कहा कि मेरा पैर छूकर आशीर्वाद लो, मैंने भी घबराकर पैर छू लिए। इसी तरह वह हमेशा करती थी। घर पर एक बार जो उसने बोल दिया, जब तक उसकी जिद पूरी नहीं हो जाती थी, वह शोर मचाती रहती थी। सभी लोग कठपुतली की तरह उसके कहने पर नाचने लगते थे।मायके से दो साल बाद लौटी तो बीमार थी...सोखा को भी दिखायारवि ने बताया कि वर्ष 2020 में उन्हें कोरोना हो गया था। तब बिंदू मायके चली गई। इसके बाद दो साल तक वहीं रही, जब बात तलाक तक की आ गई, तो वर्ष 2022 में वह फिर वापस ससुराल आई। तब वह काफी बीमार हो चुकी थी। उसको क्या बीमारी थी, ये समझ में नहीं आता था। हजारों रुपये इलाज में खर्च किए। मां कई जगह सोखा (तंत्र–मंत्र वाले) के पास भी उसे ले गई। धर्मशाला चौकी के पास एक सोखा के पास उसे कई बार ले जाया गया। वह अजीब हरकतें करती थीं।अचानक अलग रहने का फैसला लिया..बेटी को मारना गले नहीं उतरतारवि ने बताया–जुलाई में मैं हैदराबाद गया। इसके बाद बीते सितंबर में बिंदू अचानक अलग रहने की जिद करने लगी। वह पार्वतीनगर वाले घर पर बेटी के साथ अलग रहना चाहती थी। मैंने समझाया तो वह नाराज होने लगी, तब मजबूरी में हामी भरनी पड़ी। मुश्किल से बीस दिन ही वह वहां थी और इतनी बड़ी घटना हो गई। घर पर बिंदू के मोबाइल पर बेटी नैना के कहने पर हमेशा नेट पैक डाल देता था, वह कार्टून देखती थी।धर, तीन दिन से उसका फोन नहीं आया था तो मैंने एक अक्तूबर की शाम को कॉल की। बिंदू ने फोन उठाकर बोला कि नैना खेल रही है, बात नहीं कराई। बिंदू, बेटी से बहुत प्यार करती है। उसने आखिर उसे मारा क्यों, यह सवाल गले नहीं उतर रहा। मुझे परेशान कर रहा है। इस घटना में मैंने बेटी और पत्नी दोनों को खो दिया है। पुलिस को इसकी जांच पड़ताल कर सच्चाई बाहर लानी चाहिए।बिंदू के सिर में गंभीर चोट लगी है। तभी से वह होश में नहीं आई है। डॉक्टरों की टीम निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। अभी वह खतरे से बाहर नहीं आई, उसकी हालत गंभीर है।

भदोही में दिखा सीएम योगी की नारा. जगी का असर, जिलाधिकारी ने लापरवाह अफसरों को लगाई फटकार

उत्तर प्रदेश के भदोही जनपद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नारा. जगी का असर साफ दिखाई पड़ रहा है. तहसील दिवस में फरियादियों की फे. हरिस्त बढ़ने और सरकारी अफसरों के लापरवाह बरतने पर मिर्जापुर मंडल कमिश्नर डॉ मुथू कुमार स्वामी बाला सुब्रमण्यम और जिलाधिकारी विशाल सिंह ने कड़ी फटकार लगाई.कमिश्नर और डीएम ने लापरवाही बरतने वाले सरकारी कर्मचारियों पर विभागीय कार्रवाई के लिए तैयार रहने और केस दर्ज कर जेल भेजने तक की चेतावनी दी है. भदोही जिले के ज्ञानपुर, भदोही और औराई तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवसश में लगातार फरियादियों की समस्याएं बढ़ने पर कमिश्नर और जिलाधिकारी खासा नाराज दिखाई पड़े.सीएम ने लगाई थी फटकारइससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भदोही सहित अन्य जिलों से जन शिकायतों के मुद्दे पर कड़ी फटकार लगाई थी. इस फटकार के बाद आलाधिकारी हरकत में आ गए और ग्रा. उंड जीरो का निरीक्षण कर जन समस्याओं का समाधान कर रहे हैं. योगी सरकार ने पिछले 5 सालों में उत्तर प्रदेश में 1.5 लाख से अधिक शिकायतों का निवारण किया है.मंडल कमिश्नर ने सुनी फरियादमिर्जापुर मंडल के कमिश्नर डॉ मुथू कुमार स्वामी बाला सुब्रमण्यम तमिलनाडु के रहने वाले हैं. डॉ मुथू कुमार स्वामी 2007 बैच के यूपी कैडर के आईएएस अधिकारी है. उन्होंने ज्ञानपुर तहसील के सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की शिकायतों को सुन त्वरित निस्तारण किया गया

भगवान विश्वनाथ के दरबार में भव्य रामलीला मंचन,

भगवान शंकर के सबसे बड़े धाम काशी विश्वनाथ मंदिर परिसर में काशी रंगमंच कला परिषद सिधौना गाजीपुर के द्वारा रामलीला का भव्य मंचन किया जा रहा है.परिसर में आने वाले शिवभक्त भगवान राम से जुड़े जीवन लीलाओं को देख कर निहाल हो रहे हैं और यह उनके लिए बेहद अलग अनुभव की तरह है. नवरात्र के अवसर पर यह रामलीला का मंचन परिसर में आयोजित किया जा रहा है.इसके अलावा 5 अक्टूबर के दिन नवरात्र की तृतीया तिथि पर देवी चंद्रघंटा के उपासना वाले दिन भगवान विश्वनाथ का सोलह श्रृंगार भी किया गया.रामलीला में प्रमुख तौर पर लक्ष्मण को शक्तिघात, कालनेमि वध, भरत हनुमान जी का मिलन, संजीवनी बूटी द्वारा लक्ष्मण जी को उपचार दिलाना, मेघनाद वध, कुंभकरण वध आदि प्रसंगों का मंचन किया गया. नवरात्र के नौ दिनों तक काशी विश्वनाथ परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजन किए जाएंगे.

मंदिर में आयोजित हो रहे रामलीला में राम जी की भूमिका में यथार्थ मिश्रा, भरत जी की भूमिका में शुभ मिश्रा, हनुमान जी की भूमिका में अनिल सिंह, रावण की भूमिका में नीरज मिश्रा आदि पात्र नजर आ रहे हैं.

श्रीराम की भूमिका निभा रहे शख्स को स्टेज पर आया हार्ट अटैक, लाईवउ परफोर्मेंस के दौरान मौत

शाहदरा में रामलीला मंचन के दौरान श्रीराम का किरदार निभा रहे सुशील कौशिक को हार्ट अटैक आया

दिल्ली के शाहदरा इलाके से एक विचलित कर देने वाला वीडियो सामने आया है. यहां रामलीला (त्ंउ. सममसं) में भाग लेने वाले एक व्यक्ति की स्टेज पर ही हार्ट अटैक (भ्मंतज ।ज. जंबा) से मौत हो गई. सुशील कौशिक नाम के कलाकार स्टेज पर श्रीराम की भूमिका निभा रहे थे, तभी अचानक तबीयत खराब होने की वजह से स्टेज से नीचे जाने लगे. ये देखकर लोग चिंतित हुए और उनके पास पहुंचे. हालत बिगड़ने पर सुशील कौशिक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई. मृतक सुशील कौशिक की उम्र 54 वर्ष बताई जा रही है.सुशील कौशिक के बारे में बताया जा रहा है कि वह प्रॉपर्टी डीलर थे. वह रामलीला के मंचन से लंबे समय से जुड़े हुए थे. जब सुशील को लगा कि उनकी तबीयत बिगड़ रही है तो वह मंच से नीचे उतर गए

जिससे लोग भी घबरा गए. इसके बाद एम्बुलेंस लाई गई, लेकिन अस्पताल पहुं. चने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया.कई वर्षों से रामलीला से जुड़े थे सुशील कौशिवीडियो में देखा जा सकता है कि बैकग्राउंड से भजन की आवाज आ रही है और राम का किरदार निभा रहे सुशील भी नीचे बैठकर गुनगुनरहे हैं. फिर वह उठकर थोड़ा चलते हैं और अचानक उनके सीने में दर्द होने लगता है जिसके बाद वह मंच के पीछे चले जाते हैं. सुशील कौशिक विश्वकर्मा नगर इलाके के रहने वाले थे.रामलीला का मंचन जय श्री रामलीला कमिटी झिलमिल विश्वकर्मा नगर की ओर से कराया जा रहा था. बताया जा रहा है कि सुशील कौ. शिक 32 वर्षों से रामलीला से जुड़े हुए थे. हार्ट अटैक से मौत की घटनाओं ने बढ़ाई चिंतायह कोई पहली घटना नहीं जब स्वस्थ दिख रहे व्यक्ति की हार्ट अटैक से अचानक मौत हो गई हो. बीते कुछ वर्षों में ऐसी घटनाएं आम हो गई हैं जब चलता–फिरता व्यक्ति अचानक हार्ट अटैक का शिकार हो रहा है. कभी बैंक में, किसी मॉल में, स्टेज पर नृत्य करते वक्त, बाइक चलाते वक्त या फिर जिम में एक्सरसाइज करते वक्त लोग अचानक सीने में दर्द की शिकायत करते हुए पाए गए और उनकी उसी वक्त मौत हो गई.

दिल्ली दंगा मामले में 11 आरोपी बरी, अदालत ने पुलिस की थ्योरी पर उठाए सवाल

साढ़े चार साल पहले उत्तर–पूर्व दिल्ली में हुए दंगे के एक मामले में लेकर अदालत ने शनिवार को बड़ा फैसला सु नाया. अदालत ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के समर्थकों और इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे लोगों के बीच हिंसा के बाद 2020 में उत्तर–पूर्वी दिल्ली में भड़के दंगों के 11 आरोपियों को बरी कर दिया है. इन आरोपियों के खिलाफ पुलिस उपद्रव करने, चोरी और आगजनी के आरोप लगाए थे.

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश पुलस्त्य प्रमाचला ने कहा कि गोकलपुरी निवासी नौशाद की शिकायत के आधार पर दर्ज मामले में पुलिस सभी आरोपों को संदेह से परे साबित करने में विफल रही. अदालत जिन आरोपियों को बरी किया उनमें सुमित, अंकित चौधरी, आशीष कुमार, सौरव कौशिक, भूपेन्द्र, शक्ति सिंह, पप्पू, विजय, सचिन कुमार, योगेश और राहुल शामिल हैं. जस्टिस पुलस्त्य प्रमाचला ने चार अक्टूबर को पारित आदेश में कहा, ''मैंने पाया कि इस मामले में आरोपियों के खिलाफ लगाए गए आरोप सभी तार्किक संदेहों से परे साबित नहीं हुए हैं. वे सभी (आरोपी) संदेह का लाभ पाने के हकदार हैं.'' नौशाद के आरोपों को साबित नहीं कर पाई पुलिस अदालत ने ये सवाल भी उठाया कि सबूतों के अभाव आरोनियों को दोषी कैसे माना जा सकता है? दरअसल, नौशाद ने आरोप लगाया था कि 25 फरवरी 2020 की रात करीब 10 बजे आरोपी व्यक्ति गोकलपुरी स्थित उसके घर में जबरन घुस गए, लूटपाट की और आग लगा दी.बता दें कि साल 2020 दंगों के दौरान सांप्रदायिक झड़पों में कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और लगभग 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे. फरवरी 2020 में जाफराबाद, भजनपुरा, खजूरी खास, शिव विहार सहित कई अन्य इलाकों में सीएए के समर्थकों और विरोधियों के बीच हुई झड़पें सांप्रदायिक हिंसा में बदल गईं. दुकानें और घर जला दिए गए या नष्ट कर दिए गए. दंगों से निपटने में अक्षमता के लिए दिल्ली पुलिस की आलोचना की गई. हिंसा के सिलसिले में अब तक सैकड़ों लोगों को गिरफ्तार या हिरासत में लिया गया है. सबूतों के अभाव में हिंसा के अधिकांश आरोपी धीरे–धीरे बरी हो चुके हैं.

दिल्ली के मॉडल टाउन में सो रहे युवक की डंडे से ताबड़तोड़ पिटाई, आरोपी गिरफ्तार,

उत्तरी दिल्ली के मॉडल टाउन क्षेत्र में एक शख्स को दूसरे युवक पर हमला करने के आरोप में थाना पुलिस ने गिरफ्तार में किया गया है. हमला करने वाले शख्स पर आरोप है कि उसने कथित तौर पर पीड़ित से गुरुवार को सार्वजनिक स्थान पर पेशाब न करने के लिए कहा था. इस बात को लेकर दोनों के बीच बहस हुई थी. मॉडल टाउन इलाके की यह घटना दो अक्टूबर की है. इस घटना से संबंधित वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि एक दिन बाद आरोपी दोपहिया वाहन से मौके पर उतरता है और फुटपाथ पर सो रहे युवक के पास पहुंचता है. फिर वह उसे जगाता है और डंडे से पीटना शुरू कर देता है. जबकि उसके दो दोस्त बाइक पर उसका इंतजार कर रहे होते हैं आरोपी शख्स लगभग 20 सेकंड तक सो रहे युवक पर हमला करने के बाद पीछे हट जाता है. फिर अचानक वापस आता है और अगले 20 सेकंड तक उसे फिर से पीटता है. यहीं नहीं, जब पीड़ित का उठकर बैठने के बाद भी आरोपी शख्स का उसपर हमला जारी रहता है. इसके बाद वह अपने दोस्तों के साथ बाइक पर भाग जाता है. इस घटना के दौरान पार्क में घूम रहे व आसपास रहने वाले लोग देख रहे होते हैं, लेकिन उसे बचाने कोई आगे नहीं आता. मॉडल टाउन थाना पुलिस के मुताबिक डंडे से पिटाई करने वाले आरोपी युवक का नाम आर्यन है. वो इसी इलाके में एक बुजुर्ग के यहां नौकर का काम करता है. इस घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी आर्यन को मारपीट, झगड़े की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया. उसे अदालत में पेश किया गया. अदालत ने आरोपी को जमानत पर छोड़ दिया. क्या है मामला? गुरुवार यानी दो अक्टूबर को आरोपी पार्क के पास खुले में पेशाब कर रहा होता है, जिसको लेकर पास की टेंट की दुकान पर काम करने वाला रामफल उसे टोकता है. इसी बात पर दोनों की कहासुनी हो जाती है. बदला लेने के लिए शुक्रवार को आर्यन दोस्तों के साथ आता है और सो रहे रामफल पर डंडों से हमला कर देता है.

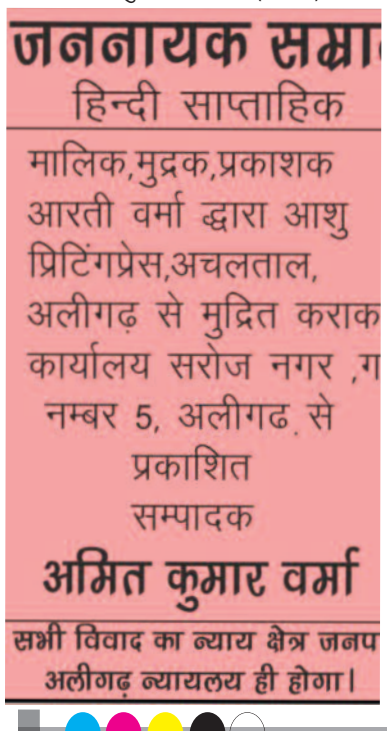

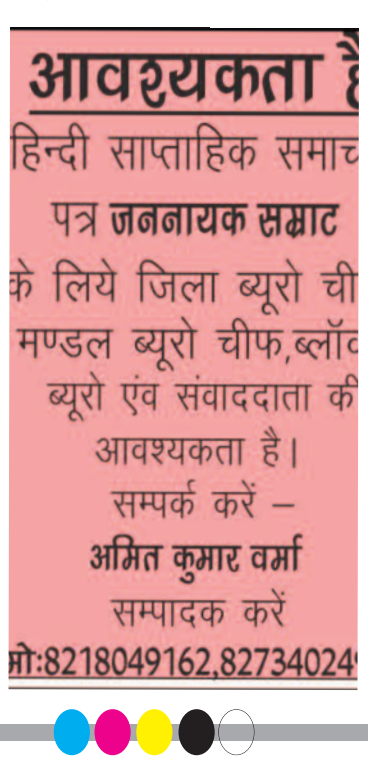

25 अक्तूबर से सजेगा आतिशबाजी का बाजार, लाइसेंस के लिए आ चुके हैं 200 आवेदन

अलीगढ़ के नुमाइश मैदान में 25 अक्तूबर से 9 नवंबर तक आ. तिशबाजी का बाजार सजेगा। दुकानदार अस्थायी बिक्री लाइसेंस एवं दुकानों का आवंटन पाने के लिए आवेदन कर रहे हैं। अब तक 200 से अधिक आवेदन आ चुके हैं।हर साल दिवाली पर नुमाइश मैदान में आतिशबाजी बाजार सजता है। इसके लिए दुकानदार आवेदन कर रहे हैं। अब तक प्राप्त सभी आवेदनों को पुलिस, फायर एवं अन्य विभागों के अनापत्ति पत्र एवं जांच के लिए भेजा गया है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद दुकानों का आवंटन किया जाएगा। बाजार में दुकानदारों को जगह–जगह पानी से भरे ड्रमों के अलावा बालू के बोरों को रखवाना पड़ेगा। यहां दमकल की भी तैनाती होगी। वाहन पार्किंग के बाद ही ग्राहक आतिशबाजी बाजार में जा सकेंगे। एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट ने बताया कि आतिशबाजी बाजार के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है।

एएमयू के मदरसातुल उलूम में पहले साल रहे केवल सात छात्र, मुरादाबाद में भी शुरू किया था मदरसा

मदरसे में एक जनवरी 1875 को पढ़ाई शुरू हुई थी। छात्रों को पढ़ाने के लिए सर सैयद ने बृजनाथ, मौलवी अब्दुल हसन, मौलाना मोहम्मद अकबर, सैयद जाफर अली, मौलवी नजफ अली, मौलवी अब्दुल रज्जाक को शिक्षक के रूप में नियुक्त किया था। एएमयू का मदरसातुल उलूम 24 मई 1877 को शुरू हुआ था। पहले साल सात छात्रों ने दाखिला लिया था। यहां पहले छात्र के रूप में सर सैयद अहमद खान के दोस्त मौलवी समीउल्लाह ने अपने बेटे हमीदुल्लाह का दाखिला कराया था, जो बाद में हैदराबाद निजाम में न्यायाधीश बने। पहले हेड मास्टर ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के एचजीआई सिडंस थे।एएमयू उर्दू एकेडमी के पूर्व निदेशक डॉक्टर राहत अबरार ने बताया कि मदरसे में एक जनवरी 1875 को पढ़ाई शुरू हुई थी। छात्रों को पढ़ाने के लिए सर सैयद ने बृजनाथ, मौलवी अब्दुल हसन, मौलाना मोहम्मद अकबर, सैयद जाफर अली, मौलवी नजफ अली, मौलवी अब्दुल रज्जाक को शिक्षक के रूप में नियुक्त किया था। एमएओ कॉलेज में वर्ष 1878 में इंटर और 1881 में बीए की पढ़ाई शुरू हुई। पहले स्नातक ईश्वरी प्रसाद, पहले स्नातक विधि शंकरलाल और पहले परास्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाले अंबा प्रसाद थे।मुरादाबाद में भी स्थापित किया था मदरसासर सैयद अहमद ने वर्ष 1859 में मुरादाबाद में फारसी मदरसा स्थापित किया था। 9 जनवरी 1864 को सर सैयद ने गाजीपुर में सा. इंटिफिक सोसाइटी बनाई थी। इसमें अंग्रेजी और पश्चिमी सभ्यताओं पर आधारित साहित्य का उर्दू में अनुवाद किया जाता था, ताकि भारतीय लोगों को अंग्रेजी साहित्य अध्ययन के बारे में पता चल सके। सोसाइटी के सदस्य हिंदू–मुस्लिम दोनों थे।1898 में सर सैयद के निधन के बाद एएमयू स्थापित करने में उनके सहयोगियों की अहम भ. ूमिका रही। इनमें ख्वाजा अल्ताफ हुसैन हाली, अल्लामा मोहम्मद शिबली नोमानी, मौलवी समीउल्लाह खान, राजा किशनदास, मौलाना सैयद जैनुल आब. दीन, जस्टिस सैयद महमूद, नवाब मो. हसिन–उल–मुल्क, नवाब विकार–उल–मुल्क, नवाब मोहम्मद इशाक खान, सैयद मोहम्मद अली, राजा महमूदाबाद, साहबजादा आफताब आलम खान, सर जियाउद्दीन अहमद, सर आगा खान तृतीय आदि शामिल हैं।

निःशुल्क स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन

निःशुल्क स्वयंसेवक प्रशिक्षण शिविर का हुआ आयोजन समाजसेवी संस्था सनातन प्रतिभा फाउंडेशन की ओर से भीकमपुर, जी टी रोड, हरिगढ़ स्थित कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्र (वीओसी स्किल्स) में 18 वर्ष से लेकर 35 वर्ष के अनपढ़ एवं शिक्षित युवक एवं युवतियों को रोजगारपरक एक दिवसीय निःशुल्क स्वयंसेवक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण शिविर में विद्यार्थियों को मोटिवेशनल स्पीकर एवं समाज सुधारक अभिषेक सक्सैना द्वारा इंटरव्यू में किस प्रकार के वस्त्र पहनने चाहिए, बॉडी लैंग्वेज कैसी होनी चाहिए, कम्युनिकेशन स्किल्स कैसे होने चाहिए, आत्मनिर्भर कैसे बनें आदि महत्वपूर्ण विषयों का ज्ञान दिया गया। शिविर में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों को संस्था द्वारा टी शर्ट, बैग एवं सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया। शिविर के आयोजन में प्रशिक्षण केंद्र संचालिका विशु राजपाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्था के अध्यक्ष अभिषेक सक्सैना सनातनी ने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं के उत्कृष्ट व्यक्तित्व के निर्माण के लिए संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे स्वयंसेवक प्रशिक्षण की बहुत आवश्यकता है। अधिक से अधिक युवक एवं युवतियों को संस्था द्वारा प्रदान किए जा रहे इस प्रशिक्षण का लाभ अवश्य लेना चाहिए। संस्था के सचिव आशु सिंघल ने बताया कि सनातन प्रतिभा फाउंडेशन निरंतर सनातन धर्म की विशेषताएं और वैदिक संस्कृति के प्रचार–प्रसार के लिए कार्य कर रही है। कार्यक्रम का सफल संच. ालन शिवानी सक्सैना ने किया। इस मौके पर संस्था के अध्यक्ष अभिषेक सक्सैना सनातनी, सचिव आशु सिंघल, उपाध्यक्ष साक्षी, विशु राजपाल, रोहित कुमार, सपना शर्मा, शिवानी सक्सैना, अनुराग यादव, राहुल वार्ष्णेय, तनिष्क, प्रियांशी सक्सैना, साक्षी सागर, अनुष्का यादव, अंकित, गौरव, ऋषभ, चंद्रशेखर, राकेश बघेल आदि उपस्थित रहे।

श्री बॉके बिहारी इन्क्लेव आवासीय समिति आगरा रोड, अलीगढ जो एक पंजीकृत समिति है, जिसका पंजीयन संख्या– I**LI/01659/**2023–2024 है, के निवासीगण हैं।

आज दिनांक 06.10.2024 को समय प्रातः 9 30 बजे भूमाफिया राज शर्मा उर्फ हरमित

शर्मा पुत्र श्री राधेश्याम शर्मा निवासी आई0टी0आई0 रोड अलीगढ व श्री विपिन शर्मा पुत्र श्री मुन्ना लाल शर्मा निवासी एफ–16 विक्रम कालौनी रामघाट रोड, अलीगढ़, श्री शरद कुमार माहेश्वरी पुत्र श्री शशिकान्त माहेश्वरी निवसी डी–3 तृतीय तल लोट्स अर्पाटमेंट समद रोड, अलीगढ़ व श्री राहुल शर्मा निवासी दिलीप कुमार शर्मा निवासी रामप्यारी विहार कालौनी निकट इन्ग्राहम स्कूल मैलरोज बा. इपास अलीगढ व रामू पुत्र श्री इन्द्रपाल सिंह, आई0टी0आई0 रोड, रामनगर कालौनी थाना बन्ना देवी, अलीगढ व समी पुत्र अब्दुल रहमान निवासी बड़ी मस्जिद केपास सारसौल, सुधीर शर्मा पुत्र श्री मुन्ना लाल शर्मा निवासी एफ–16 विक्रम कालौनी, रामघाट रोड, अलीगढ़ व अनिल कुमार ड्राईवर एवं नीतेश आदि लोगों ने जे0सी0बी0 महाबल लाकर कालौनी की 15 फीट ऊॅची व 70 फीट लम्बी दीवार तोड़ दी और हम सभी कालौनी वासीगण ने रोकने की कोशिश की तो हम सभी लोगों पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग की और कहा कि तुम पुलिस को बुला लो हमारा कुछ नहीं हा. `गा। इससे पूर्व भी दिनांक 07.10.2023 को उक्त लोगों ने जे0सी0सी0 महाबल लाकर आवासीय समिति की दीवार तोड़ दी थी जिसके सम्बन्ध में उक्त भूमाफियाओं के विरूद्ध मुकदमा अपराध संख्या–602ध्2023 धारा 147, 336, 427 थाना सासनीगेट पर पंजीकृत है। उक्त लोगों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोट दर्ज कर कानूनी कार्यवाही की जाये।

जवाहर पार्क में अब पांच रूपये में ही मिलेगा प्रवेश

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत जवाहर पार्क में प्रवेश के लिए कुछ महीने पहले बढ़ाई गई शुल्क पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। अब 2014 में लागू की गई पांच रुपये प्रतिदिन की शुल्क पर ही पार्क में प्रवेश दिया जाएगा। जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस ने फैसला सुनाया है। शहर में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के निकट स्थित जवाहर पार्क में बड़ी संख्या में लोग टहलने जाते हैं। याचिक. ाकर्ता धीरेंद्र कुमार गुप्ता ने बताया कि 2012 में जिला उद्यान समिति जवाहर पार्क की बैठक में पार्क में प्रवेश के लिए प्रतिदिन एक रुपये शुल्क लगाने का निर्णय लिया गया। इसके बाद 2013 में यह शुल्क प्रतिदिन दो रुपये किया गया। 2014 में प्रतिदिन शुल्क पांच रुपये, मासिक शुल्क 60 रुपये, वार्षिक शुल्क 500 रुपये, दंपती के लिए 700 रुपये वार्षिक, अर्धवार्षिक शुल्क 300 रुपये तय किया गया। 23 मई 2024 को स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत यह शुल्क 20 रुपये प्रतिदिन तीन घंटे के लिए कर दिया गया। रविवार और अवकाश के दिनों में यह शुल्क 50 रुपये प्रतिदिन किया गया। 400 रुपये मासिक, 60 वर्ष से कम आयु वर्ग के लिए 2000 रुपये वार्षिक, सीनियर सिटीजन के लिए 1000 रुपये वार्षिक किया गया। इस निर्णय के खिलाफ धीरेंद्र कुमार गुप्ता तथा अन्य लोगों ने जनहित याचिका दाखिल की। इस पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस अरुण भंसाली ने नए शुल्क पर रोक लगाते हुए 2014 में लागू किए गए शुल्क को ही लेने का फैसला सुनाया है। इस पर याचिकाकर्ता धीरेंद्र कुमार गुप्ता, अर. विंद कुमार वाष्णेय, ब्रजेश कंटक, जितेंद्र सराफ, एनके गुप्ता, प्रदीप कुमार अग्रवाल ने हर्ष व्यक्त किया है।

7-13 अक्टूबर 2024 तक दुर्गा पूजा, पापांकुशा एकादशी, दशहरा, नवरात्रि की महाष्टमी, महानवमी आदि व्रत त्योहार आएंगे.

7 अक्टूबर 2024 से अक्. टूबर माह के पहले सप्ताह की शुरुआत हो रही है. इसका समापन पापांकुशा एकादशी पर होगा, इसी दिन पंचक भी लग रहे हैं. इस सप्ताह में शारदीय नवरात्रि के सबसे खास दिन दुर्गाष्टमी और महानवमी आएंगे.बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक पर्व दशहरा भी इसी सप्ताह में मनाया जाएगा. इस दिन देवी दुर्गा की प्रतिमा का विसर्जन भी होगा. ये सप्ताह दुर्गा पूजा के 5 दिन की रोनक रहेगी. इस सप्ताह में बुध तुला राशि में प्रवेश करेंगे, तो वहीं शुक्र वृश्चिक राशि में आएंगे. ग्रहों का गोचर सभी 12 राशियों पर शुभ–अशुभ असर डालता है. आइए जानते हैं 7 दिन कौन से त्योहार, व्रत, ग्रह परिवर्तन, शुभ योग होंगे.

7 अक्टूबर 2024

तिथि – चतुर्थी
पक्ष – शुक्ल
वार – सोमवार
नक्षत्र – अनुराधा
योग – प्रीति, सर्वार्थ सिद्धि, रवि योग
राहुकाल – सुबह 7.45 – सुबह 09.13

8 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – बिल्व निमंत्रण
तिथि –पंचमी
पक्ष – शुक्ल
वार – मंगलवार
नक्षत्र – ज्येष्ठा
योग – आयुष्मान, रवि
योग राहुकाल – दोपहर 03.03 – शाम 04.13

9 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – दुर्गा पूजा शुरू, कल्परंभ, अकाल बोधन
तिथि – षष्ठी
पक्ष – शुक्ल
वार – बुधवार
नक्षत्र – मूल
योग – सौभाग्य, शोभन
राहुकाल – दोपहर 12.08 – दोपहर 01.35

10 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – नवपत्रिका पूजा
तिथि – सप्तमी
पक्ष – शुक्ल
वार – गुरुवार
नक्षत्र – पूर्वाषाढ़ा
योग – अतिखण्ड
राहुकाल – दोपहर 1.35 – दोपहर 03.02

11 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – दुर्गाष्टमी, महानवमी, संधि पूजा
तिथि – अष्टमी
पक्ष – शुक्ल
वार – शुक्रवार
नक्षत्र –
योग – सर्वार्थ सिद्धि, रवि, सुकर्मा
राहुकाल – सुबह 10.41 – दोपहर 12.08

12 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – दशहरा, विजयादशमी, नवरात्रि पारण, दुर्गा विसर्जन, आयुध पूजा
तिथि – नवमी
पक्ष – शुक्ल
वार – शनिवार
नक्षत्र – उत्तराषाढ़ा
योग – सर्वार्थ सिद्धि, रवि, धृति राहुकाल – सुबह 09.14 – सुबह 10.40

13 अक्टूबर 2024

व्रत–त्योहार – पापांकुशा एकादशी, पंचक
तिथि – दशमी
पक्ष – शुक्ल
वार – रविवार

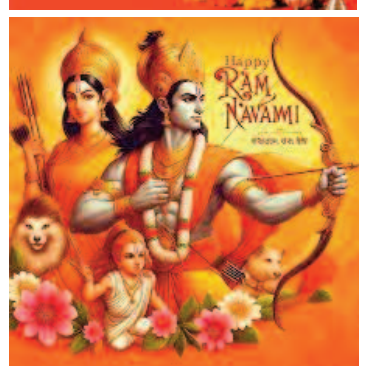

नक्षत्र – श्रवण
योग – शूल, रवि योग
राहुकाल – शाम 04.27 – शाम 05.53

राम के अयोध्या लौटने की खुशी में मनाते हैं दिवाली फिर इस दिन लक्ष्मी जी की पूजा क्यों?

दिवाली क्यों मनाई जाती है, इस बारे में एक नहीं कई कहानियां प्रचलित हैं. स्कंद, पद्म और भविष्य पुराण में दीपावली को लेकर अलग–अलग मान्यताएं हैं. इसमें एक मुख्य कारण है कि कार्तिक अमावस्या पर जब श्रीराम अयोध्या लौटे थे तो उनके स्वागत में अनगिनत दीप जलाए गए थे.तभी से दीपोत्सव की शुरूआत हुई और दिवाली मनाई जाने लगी. ये कहानी तो सभी जानते हैं लेकिन दिवाली का मां लक्ष्मी से क्या संबंध है, दिवाली पर श्रीराम अयोध्या से लौटे थे लेकिन इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा क्यों होती है.श्रीराम के लौटने पर जले थे दीये रामायण से जुड़ी गाथाओं के अनुसार, त्रेता युग में कार्तिक मास की अमावस्या के दिन माता सीता और लक्ष्मण के साथ भगवान श्रीराम 14 वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या वापस आए थे. उनके स्वागत में अयोध्यावासियों ने दीप जलाकर मिठाई बांटी थी. श्रीराम की वापसी की खुशी में हर साल इस दिन दीप जलाकर और मिठाइयां बांटकर उत्सव मनाया जाता है.दिवाली पर क्यों होती है लक्ष्मी पूजा ? मार्कंडेय पुराण का कहना है कि जब धरती पर सिर्फ अंधेरा था तब एक तेज प्रकाश के साथ कमल पर बैठी देवी प्रकट हुईं. वो लक्ष्मी थीं। उनके प्रकाश से ही संसार बना. इसलिए इस दिन लक्ष्मी पूजा की परंपरा हैं.श्रीमद् भागवत पुराण कहता है समुद्र मंथन से आठवें रत्न के रूप में लक्ष्मी समुद्र से प्रकट हुईं थी. इसलिए इस दिन लोग घरों को सजाते हैं और मां लक्ष्मी का स्वागत कर उनकी पूजा की जाती है, क्योंकि देवी उसी घर में निवास करती हैं

जहां साफ–सफाई, शांति और खुशी का माहौल हो. इसलिए दिवाली पर घर को साफ और सजाकर दीपावली मनाने की परंपरा है. इससे लक्ष्मी खुश होती हैं और लंबे समय तक घर में रहती हैं.माना जाता है कि दिवाली की रात लक्ष्मी–विष्णु विवाह भी हुआ था.दिवाली पर लक्ष्मी पूजन का महत्व माता लक्ष्मी को धन, ऐश्वर्य और वैभव की देवी माना जाता है. कार्तिक अमावस्या की पावन तिथि पर धन की देवी को प्रसन्न कर समृद्धि का आशीर्वाद लिया जाता है. मान्यता है इस दिन जो रात्रि या प्रदोष काल में मां लक्ष्मी की पूजा करता है उनके घर कभी धन की कमी नहीं होती.

मां काली के इन रहस्यमयी मंदिरों के बारे में जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे

मां काली, जिन्हें कालिका के नाम से भी जाना जाता है. हिंदू धर्म में मां काली का महत्वपूर्ण स्थान है, जिनको समय, मृत्यु, हिंसा, कामुक, महिला सशक्तिकरण और मातृ प्रेम का प्रतीक माना जाता है. काली मां की कई कहानियां प्रचलित है. आज हम आपको मां काली के 5 ऐसे रहस्यमय मंदिरों के बारे में बताएंगे, जिससे जानने के बाद आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे. जानते हैं इन मंदिरों के बारे मेंआगरा का कालीबाड़ी मंदिरउत्तर प्रदेश के आगरा में काली मां का रहस्य मंदिर बना हुआ है. जिसका नाम कालीबाड़ी मंदिर है. ये मंदिर लगभग 200 साल पुराना है. जिसको लेकर मान्यता है कि मंदिर में स्थापित एक चमत्कारिक घट जिसका पानी कभी खत्म नहीं होता है और नहीं उस पानी में किसी भी तरह के कीड़े पनपते हैं. मंदिर की स्थापना को लेकर स्थानीय लोगों बताते हैं कि इस मंदिर का निर्माण लगभग 200 साल पहले हुआ था. इस मंदिर में रखे घट का पानी कभी भी खत्म नहीं होता है

शामसुंदरी काली मंदिर

मां काली का दूसरा चमत्कारिक मंदिर पश्चिम बंगाल के कोलकाता में बना है. इस मंदिर का नाम जॉय मां शामसुंदरी काली मंदिर है. इस मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां रोजाना मां काली मंदिर के अंदर टहलती है. लोगों का तो यहां तक भी कहना है कि मंदिर के अंदर मां काली के चलने की और उनकी पायल की आवाज आती है. जब मंदिर के पुजारी सुबह मंदिर के पट खोलते हैं, तो मां काली के पैरों में धूल लगी होती है. जिसे मंदिर के पुजारी रा. जाना साफ करते हैं.मां के काली के इस मंदिर को लेकर ये तक कहा जाता है कि जब कोई भक्त मां की मूर्ति के आगे रोता है, तो मां काली की प्रतिमा भी कुछ अलग सी दिखाई देने लगती है. ऐसा लगता है मां काली रो रही है. कालीघाट काली मंदिर पश्चिम बंगाल के कोलकत्ता में स्थित है. 51 शक्तिपीठों में से एक शक्तिपीठ कालीघाट का काली मंदिर भी है. मां काली के भक्तों के लिए ये मंदिर बेहद खास है. मंदिर में मां काली की प्रचण्ड रूप की प्रतिमा की पूजा–अर्चना की जाती है. माता काली के इस मंदिर में मां काली की प्रतिमा को देखेंगे तो, प्रतिमा में मां काली की जिह्वा सोने की बनी हुई है.

काली खोह मंदिर

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में विंध्य पर्वत पर मां विंध्यवासिनी, मां अष्टभुजा और मां काली का मंदिर विराजमान है. महाकाली के इस मंदिर का नाम काली खोह मंदिर है, जो तंत्र साधना के लिए काफी प्रचलित है. नवरात्रि के सातवें दिन इस मंदिर में मां कालरात्रि की पूजा साधना की जाती है. इस मंदिर को लेकर प्रचलित कहानियां कहती है कि जब रक्तबीज ने अपने ताकत से स्वर्ग लोक सभी देवताओं को निकाल दिया था, तब सभी देवताओं ने विंध्यवासिनी ने मां काली का रूप धारण किया था. जिसके बाद मां काली ने रक्तबीज का वध किया था. इस मंदिर में आने वाले भक्तों का कहना है कि आप चाहे जितना प्रसाद चढ़ा दीजिए, ये प्रसाद कहां जाता है इस बात का रहस्य आज तक नहीं सुलझ पाया.

माता बसैया का मंदिर

उत्तर प्रदेश के मुरैना जिले मुख्यालय से 15 किलो मीटर दूर माता बसैया का मंदिर बना हुआ है. जिसे लोग मां काली के नाम से भी बुलाते हैं. ये मंदिर करीब 200 साल पुराना बताया जाता है. मंदिर को लेकर मान्यता है कि चौत्र मास की नवरात्रि में माता को झंडा चढ़ाने से सभी तरह की मनोकामना पूर्ण हो जाती है.

नवरात्रि के पांचवें दिन, स्कंदमाता की पूजाविधि, पूजा का मंत्र, भोग, आरती,

नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता की पूजा की जाती है। मां दुर्गा का पांचवा रूप स्कंदमाता कहलाता है। प्रेम और ममता की मूर्ति स्कंदमाता की पूजा करने से संतान प्राप्ति की मनोकामना पूर्ण होता है और मां आपके बच्चों को दीर्घायु प्रदान करती हैं। भगवती पुराण में स्कंदमाता को लेकर ऐसा कहा गया है कि नवरात्र के पांचवें दिन स्कंद माता की पूजा करने से ज्ञान और शुभ फलों की प्राप्ति होती है। मां ज्ञान, इच्छाशक्ति, और कर्म का मिश्रण हैं। जब शिव तत्व का शक्ति के साथ मिलन होता है तो स्कंद यानी कि कार्तिकेय का जन्म होता है। आइए जानते हैं स्कंदमाता की पूजाविधि, पूजा मंत्र, आरती और भोग।नवरात्रि की पांचवीं देवी को स्कंदमाता कहा जाता है। भगवान शिव की अर्द्धांगिनी के रूप में मां ने स्वामी कार्तिकेय को जन्म दिया था। स्वामी कार्तिकेय का दूसरा नाम स्कंद है, इसलिए मां दुर्गा के इस रूप को स्कंदमाता कहा गया है। जो कि प्रेम और वात्सल्य की मूर्ति हैं।मां स्कंदमाता चार भुजाओं वाली देवी हैं जो कि स्वामी कार्तिकेय को अपनी गोद में लेकर शेर पर विराजमान हैं। मां के दोनों हाथों में कमल शोभायमान हैं। इस रूप में मां समस्त ज्ञान, विज्ञान, धर्म, कर्म और कृषि उद्योग सहित पंच आवरणों से समाहित विद्यावाहिनी दुर्गा भी कहलाती हैं। मां के चेहरे पर सूर्य के समान तेज है। स्कंदमाता की पूजा में धनुष बाण अर्पित करना भी शुभ माना जाता है।